दैनिक जागरण कानपुर 10/03/2022

फसल अवशेषों से खाद बना उर्वरा शक्ति बढ़ाएं

जासं, कानपुर : किसान खेतों में फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में ही सड़ा कर खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ेगी। यह बात बुधवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर की ओर से फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्राध्यक्ष डा. अशोक कुमार ने व्याख्यान सत्र में कहीं।

नोडल अधिकारी डा. खलील खान ने बताया कि फसल अवशेषों में आग लगाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है। बताया कि जनपद में धान व गेहूं फसल चक्र मुख्य है, जिसमें काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगाने से मृदा में सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। संचालन वैज्ञानिक डा. शशिकांत ने किया। प्रगतिशील किसान दिनेश सविता, विनोद सहित 30 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारम्भ

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. खलील खान ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगने से पर्यावरण प्रदूषित होता है इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है। इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं फसल चक्र मुख्य है। जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है। आग लगने से मृदा में सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है।

कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत द्वारा किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. राजेश राय सहित प्रगतिशील किसान दिनेश सविता, विनोद, सुघर लाल अभिषेक पाल सहित लगभग 30 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राष्ट्रीय स्वरूप कानपुर 10/03/2022

पांच दिवसीय शुरू प्रशिक्षण में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए किया जागरूक

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं, इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ खलील खान ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है. इसके साथ ही

मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है.इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं फसल चक्र मुख्य है जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है.आग लगाने से मृदा में सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह,डॉ राजेश राय सहित प्रगतिशील किसान दिनेश सचान, विनोद, मुन्ना लाल अभिषेक पाल सहित लगभग 30 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वर्ष 16 अंक 68 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, गुरूवार 10 मार्च 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक

नगर छाया

आप की आवाज़.....

फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं।इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ खलील खान ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है।इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं फसल चक्र मुख्य है।जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है।आग लगाने से मृदा में सूचहम जीवाणु नष्ट हो जाते हैं। डॉक्टर खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है। कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा किया गया। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह,डॉ राजेश राय सहित प्रगतिशील किसान दिनेश सविता, विनोद, सुघर लाल अभिषेक पाल सहित लगभग 30 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

कानपुर

पांच दिवसीय शुरू प्रशिक्षण में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए किया जागरूक

कानपुर।सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया कार्यक्रम में किसानों को फसल अवशेषों को न जलाने के लिए जागरूक किया कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि रहे केंद्र के अध्यक्ष डॉक्टर अशोक कुमार ने किसानों से कहा कि फसल अवशेषों में आग न लगाकर उन्हें खेत में सड़ा कर ही खाद बनाएं।इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बरकरार रहेगी कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ खलील खान ने कहा कि फसल अवशेषों में आग लगाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है इसके साथ ही मनुष्य का स्वास्थ्य भी काफी हद तक प्रभावित होता है।इसमें बच्चे बुजुर्ग व गर्भवती महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित होती हैं उन्होंने बताया कि जनपद में धान व गेहूं फसल चक्र मुख्य है जिससे काफी मात्रा में फसल अवशेष होता है आग लगाने से मृदा में सूचहम जीवाणु नष्ट हो जाते हैं डॉक्टर खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए किसानों का जागरूक होना अति आवश्यक है कार्यक्रम का सफल संचालन वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा किया गया इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह,डॉ राजेश राय सहित प्रगतिशील किसान दिनेश सविता, विनोद, सुघर लाल अभिषेक पाल सहित लगभग 30 किसानों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।